विषय– सामाजिक विज्ञान
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

निर्धारित पाठ्य वस्तु–

इतिहास का अंश–

इकाई(3) नाजीवाद और हिटलर का उदय

1. सामाजिक लोकतंत्र का विकास
2. जर्मनी में संकट, हिटलर के उदय का मूल कारण
3. नाजीवाद की विचारधारा
4. नाजीवाद का प्रभाव

इकाई(4) वन्य समाज और उपनिवेशवाद

1. जीविकोपार्जन और जंगल के बीच सम्बन्ध
2. उपनिवेशवाद के अन्तर्गत वन्य समाज (नीतियों) में हुये परिवर्तन,

केस अध्ययन- मुख्यतः दो वन्य आन्दोलनों में प्रथम औपनिवेशिक भारत में (बस्तर) और दूसरा इण्डोनेशिया का।

भूगोल का अंश-

(i) प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी-वनस्पति के प्रकार, धरातल एवं जलवायु के अनुसार वनस्पति के प्रकार में विविधता। उनके संरक्षण की आवश्यकता एवं विभिन्न उपाय। मुख्य प्रजातियाँ, उनका वितरण, उनके संरक्षण की आवश्यकता एवं उसके विभिन्न उपाय।

अर्थशास्त्र का अंश-

पालमपुर की कहानी-

पालमपुर में आर्थिक लेन-देन तथा शेष विश्व के साथ पालमपुर की पारस्परिक क्रिया जिनके द्वारा उत्पादन की अवधारणा (भूमि, पूँजी तथा श्रम) को समझाया जा सके।

नागरिक शास्त्र का अंश-

(iii) चुनावी राजनीति-

हम प्रतिनिधियों का चुनाव कैसे एवं क्यूँ करते हैं? हमारे यहाँ राजनीतिक दलों में प्रतिद्वंदिता क्यों है? चुनावी राजनीति में नागरिकों की सहभागिता किस प्रकार बदल गई है? स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के तरीके क्या हैं?

उपर्युक्त के अनुकम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय– सामाजिक विज्ञान **पूर्णांक- 100**

कक्षा 9

इसमें एक लिखित प्रश्नपत्र-70 अंकों एवं 30 अंकों का प्रोजेक्ट कार्य होगा;

			अंक
I	भारत और समकालीन विश्व-1 (इतिहास)		20
II	समकालीन भारत -1 (भूगोल)		20
III	लोकतांत्रिक राजनीति (नागरिकशास्त्र)		15
IV	अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र)		15
		योग. .	**70**
	प्रोजेक्ट कार्य		30

योग. .	100

(I)

भारत और समकालीन विश्व-1 (इतिहास) **20 अंक**

खण्ड-1 10 अंक

घटनायें और प्रक्रियायें

इकाई(1) फ्रांसिसी क्रान्ति

1. पुरातन शासन व्यवस्था और उसकी समस्यायें (संकट)
2. क्रान्ति के लिये उत्तरदायी सामाजिक तत्त्व।
3. तत्कालीन क्रान्तिकारी समूह और विचार
4. विरासत

इकाई(2) यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रान्ति

1. जारवाद (राजत्व) का संकट
2. 1905 से 1917 के मध्य सामाजिक आन्दोलनों की प्रकृति।
3. प्रथम विश्व युद्ध और सोवियत राज्य की स्थापना।
4. विरासत

खण्ड-2

जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज

इकाई(5) आधुनिक विश्व में चरवाहे **05अंक**

1ँ पशुचारण-जीवन निर्वाह के रूप में

2ँ पशुचारण के विभिन्न प्रकार (स्वरूप)

3ँ औपनिवेशिक शासन और आधुनिक राज्य में चरवाहों का जीवन

केस अध्ययन- मुख्यतः दो चरवाहा समूह- एक अफ्रीका का और दूसरा भारत का।

(6) मानचित्र कार्य- **05 अंक**

1 फ्रांसिसी क्रांति-

फ्रांस का रूपरेखीय मानचित्र (चिन्हित तथा पहचानने/नामांकित करने हेतु)

क-बोरडाक्स

ख-नान्तेस

ग-पेरिस

घ-मार्सेल्स

2 यूरोप में समाजवाद तथा रूस की क्रान्ति-

विश्व का रूपरेखीय मानचित्र (चिन्हित, पहचानने/नामांकित करने हेतु)

क-प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश (केन्द्रीय शक्तियाँ तथा मित्र शक्तियाँ)

ख-केन्द्रीय शक्तियाँ- जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, तुर्की (ओटोमन साम्राज्य)

ग-मित्र शक्तियाँ- फ्रांस, इंग्लैंड, (रूस), अमेरिका

नोट-दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

(II) : **समकालीन भारत-1 (भूगोल)** **20 अंक**

इकाई-1

(i)भारत-आकार एवं स्थिति **07 अंक**

(ii)भारत का भौतिक स्वरूप-भू-आकृतियाँ (relief), संरचना, प्रमुख प्राकृतिक भौगोलिक इकाईयाँ (Physiographic Unit).

2. (i) अपवाह-प्रमुख नदियाँ एवं उसकी सहायक नदियाँ, झीलें अर्थव्यवस्था में नदियों की भूमिका, नदियों का प्रदूषण, नदियों के प्रदूषण को रोकने के उपाय।

इकाई-2 **08 अंक**

(ii) जलवायु–जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, मानसून और इसकी विशेषताएँ, वर्षा का वितरण ऋतुएँ; जलवायु तथा मानव जीवन।

3. **(ii) जनसंख्या**–आकार, वितरण, आयु-लिंग संघटन, जनसंख्या परिवर्तन, जनसंख्या परिवर्तन के एक घटक के रूप में प्रवास, साक्षरता, स्वास्थ्य, व्यावसायिक संरचना तथा राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, विशेष आवश्यकताओं वाली कुपोषित जनसंख्या के रूप में किशोर।

4. मानचित्र कार्य– **05 अंक**

1–भारत–आकार तथा स्थिति

1–भारत– राजधानियों सहित राज्य, कर्क रेखा, मकर रेखा, मानक भूमध्य, सबसे दक्षिणी, सबसे उत्तरी, सबसे पूर्वी तथा सबसे पश्चिमी बिंदु (चिन्हित तथा नामांकित करना)

2–भारत की प्राकृतिक विशेषताएँ–

पर्वत श्रेणियाँ– काराकोरम, शिवालिक, अरावली, विन्ध्य, सतपुड़ा, पश्चिमी तथा पूर्वी घाट, जांस्कर।

पर्वत चोटियाँ– के–2, कंचनजंघा, अनाईमुडी

पठार– दक्खन का पठार, छोटा नागपुर का पठार, मालवा पठार

तटीय मैदान– कोंकण, मालाबार, कोरोमंडल तथा Northern Circars (चिन्हित तथा नामांकित करना)

3–अपवाह तंत्र–

नदियाँ (केवल चिन्हित करने हेतु)

क) हिमालयी नदी तंत्र– सिंधु, गंगा तथा सतलज

ख) प्रायद्वीपीय नदियाँ– नर्मदा, ताप्ती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी।

झीलें–वुलर, पुलीकट, साम्भर, चिल्का, वेम्बनाद, कोल्लेरू

4–जलवायु–

क) चिन्हित करने हेतु शहर– तिरूवनंतपुरम, चेन्नई, जोधपुर, बैंगलूरू, मुम्बई, कोलकाता, लेह, शिलांग, दिल्ली, नागपुर (चिन्हित तथा नामांकित करना)

ख) 20 से0मी0 से कम तथा 400 सेमी0 से अधिक वर्षा वाले क्षेत्र (केवल चिन्हित करने हेतु)

6–जनसंख्या (चिन्हित तथा नामांकित करना)–

सबसे अधिक और कम जनसंख्या घनत्व वाले राज्य उच्चतम तथा निम्नतम लिंग अनुपात वाले राज्य क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़े और छोटे राज्य।

नोट–दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों हेतु मानचित्र से संबंधित पाँच प्रश्न पूँछे जायेंगे।

(III) **लोकतांत्रिक राजनीति–1(नागरिकशास्त्र)** **15 अंक**

इकाई–1

(i) <u>लोकतंत्र क्या एवं क्यूँ ?</u>– **09 अंक**

लोकतंत्र को परिभाषित करने के विभिन्न तरीके क्या हैं? लोकतंत्र शासन का सर्वाधिक प्रचलित स्वरूप क्यों बन चुका है? लोकतंत्र के विकल्प क्या हैं? क्या लोकतंत्र अपने मौजूदा विकल्पों से श्रेष्ठ है? क्या प्रत्येक लोकतंत्र में समान संस्थाएँ और आदर्श होने चाहिए?

(ii) संविधान निर्माण –

भारत लोकतंत्र बना–क्यूँ और कैसे? भारतीय संविधान कैसे विकसित हुआ है? भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं? भारत में किस प्रकार से लोकतंत्र निरंतर रचित एवं पुनर्रचित हुआ है?

इकाई–2

(i) संस्थाओं की कार्यप्रणाली– **06 अंक**

देश कैसे शासित होता है? हमारे लोकतंत्र में संसद की क्या भूमिका है? भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मन्त्रिपरिषद की क्या भूमिका होती है? ये कैसे एक–दूसरे से सम्बन्धित हैं?

(ii) लोकतांत्रिक अधिकार–

हमें संविधान में अधिकारों की आवश्यकता क्यूँ है? भारतीय संविधान में नागरिकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौलिक अधिकार क्या हैं? न्यायपालिका किस प्रकार से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करती है? न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के क्या उपाय है।

(IV)

अर्थव्यवस्था (अर्थशास्त्र) **15 अंक**

इकाई-1

1. संसाधन के रूप में जनसंख्या(लोग) - **07 अंक**

जनसंख्या किस प्रकार संसाधन/सम्पत्ति हो जाती है? पुरूषों एवं स्त्रियों द्वारा किये जाने वाले आर्थिक क्रियाकलाप; महिलाओं द्वारा किये जाने वाले कार्य जिनका भुगतान नहीं होता; मानव संसाधन की गुणवत्ता; स्वास्थ्य एवं शिक्षा की भूमिका; मानव संसाधन के अनुपयोग के रूप में बेरोजगारी, इसके सामाजिक एवं राजनीतिक निहितार्थ किये जाने वाले सामान्य रूप।

2. इकाई-2 **08अंक**

निर्धनता-एक चुनौती-

गरीब कौन है (एक शहरी, एक ग्रामीण केस अध्ययन द्वारा), संकेतक; पूर्ण निर्धनता- लोग निर्धन क्यों है; संसाधन का असमान वितरण, देशों के मध्य तुलना, गरीबी उन्मूलन के लिये सरकार द्वारा उठाए गए कदम।

भारत में खाद्य सुरक्षा - खाद्यान्नों के स्रोत, देश में विविधता, पिछले समय में अकाल, आत्मनिर्भरता की आवश्यकता, खाद्य सुरक्षा में सरकार की भूमिका, खाद्यान्नों की अधिप्राप्ति, छोटे भंडार (ठसाठस भरे भंडार) और भूखे लोग, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा में सहकारी समितियों की भूमिका (खाद्यान्नों, दूध तथा सब्जियों की राशन की दुकानें; सहकारी दुकानें, 2-3 उदाहरण)

प्रोजेक्ट कार्य/गतिविधि **15 अंक**

- शिक्षार्थी भारत के गीत, नृत्य, पर्व और निश्चित मौसम में प्रमुख प्रकार के भोजन की पहचान, साथ ही क्या एक क्षेत्र की दूसरे क्षेत्र से कुछ समानता है? इसकी पहचान करें। शिक्षार्थी द्वारा अपने विद्यालय क्षेत्र के आस-पास की वनस्पति एवं पशु जगत से पदार्थों/सूचनाओं को एकत्र करना। इसमें उन प्रजातियों की सूची बनाना, जिनका अस्तित्व खतरे में है एवं उनको सुरक्षित करने से सम्बन्धित प्रयासों की सूचना सूचीबद्ध करना।

पोस्टर-

- नदी-प्रदूषण।
- वनों का क्षरण एवं पारिस्थितिकीय असंतुलन।

नोट- कोई समान गतिविधि भी चुनी जा सकती है।

प्रोजेक्ट कार्य -

- शिक्षक अपने विवेकानुसार पाठ्यक्रम से सबंधित कोई 3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 5-5 अंक छात्र/छात्राओं को वितरित कर सकते हैं।
- अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यह आवश्यक होगा कि प्रधानाचार्य/अध्यापक द्वारा विभिन्न स्थानीय सरकारी संस्थाएँ और संगठन जैसे आपदा प्रबंधन संस्थाएँ, सहायक, पुनर्वास और आपदा प्रबन्धन विभागों द्वारा (राज्यों के) जिलाधिकारी कार्यालय/उप आयुक्तों, अग्निशमन सेवा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा आदि के द्वारा सहायता लिया जाना आवश्यक होगा।

प्रोजेक्ट कार्य हेतु अंक वितरण :

1.	विषयवस्तु की मौलिकता एवं शुद्धता	-	1 अंक
2.	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	-	1 अंक
3.	प्रोजेक्ट पूरा करने की प्रक्रिया		
	- पहल करना, सहयोगिता, सहभागिता तथा समयबद्धता	-	1 अंक
4.	विषयवस्तु आत्मसात करने हेतु मौखिक अथवा लिखित परीक्षा	-	2 अंक

05-05 अंकों के तीन त्रैमासिक टेस्ट	=	15 अंक
3 प्रोजेक्ट प्रत्येक 05 अंक के	=	15 अंक
योग-		**30 अंक**

नोटः- प्रोजेक्ट कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आन्तरिक होगा।